Student Awareness Programme

Rashtriya Sahara

Date: 04 May 2018 Page: 07

छात्रों को दी नवीन तकनीकी जानकारी

■ रुड़की/एसएनबी।

सीएसआईआर केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की में बृहस्पतिवार को 'जिज्ञासा विद्यार्थी, वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम' के अंतर्गत केंद्रीय विद्यालय नंबर एक एवं केंद्रीय विद्यालय नंबर दो के 12वीं के छात्रों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक डा. एन. गोपालकृष्णन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता और डा. अतुल कुमार अग्रवाल वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं कार्यक्रम समन्वयक ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में छात्रों को भवन निर्माण के क्षेत्र में हो रहे नित नवीन तकनीक के बारे में जानकारी प्रदान की गयी।

इस अवसर पर डा. एन. गोपालकृष्णन ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें शांत मन से अपने लक्ष्य की ओर ध्यान केंद्रित करने और कैसे जानने की जिज्ञासा जगाने के लिए प्रेरित किया।

संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस. आर. कराडे ने 'संक्षारण और इसका नियंत्रण' विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया की संक्षारण अर्थात जंग एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। जिससे सामग्रियों का क्रमिक विनाश होता है। उन्होंने बताया कि चूंकि अलग-अलग प्रकार के भवनों में विभिन्न धातुओं का उपयोग किया जाता है। इसलिए भवनों में जंग का खतरा हमेशा होता है। डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने लघु चलचित्रों द्वारा विद्यार्थियों को जीवन के मूल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे ही महान वैज्ञानिकों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने अंदर एक वैज्ञानिक जुनून का सृजन करना होगा।

सीएसआईआर में कार्यक्रम आयोजित

इस अवसर पर डॉ. एके मिनोचा, डॉ. सुवीर सिंह, डॉ. आभा मित्तल, संयातनी लाला, डॉ.किशोर कुलकर्णी, इंदरजीत त्यागी, बी श्रीनिवास, पलक गौयल आदि मौजूद रहे।

रुड़की : सीएसआईआर भवन में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व छात्र।

Hindustan

Date: 04 May 2018 Page: 04

E-link: http://epaper.livehindustan.com/epaperimages/04052018/04052018-RRK-DDN-06.PDF

सीबीआरआई में बच्चों ने जाने विज्ञान के चमत्कार

रुड़की | हमारे संवाददाता

भवन निर्माण के क्षेत्र में हो रहे नित नवीन अनुसंधानों और तकनीकों के बारे में सीबीआरआई में जिज्ञासा विद्यार्थी वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम के अंतर्गत केवी नंबर एक व केवी नंबर दो के बच्चों के लिए जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक डॉ. एन गोपालकृष्णन एवं संचालन डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने की। मौके पर डॉ. गोपालकृष्णन ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें शांत मन से अपने लक्ष्य की ओर ध्यान केंद्रीत करने तथा जीवन में क्या, क्यों और कैसे जानने की जिज्ञासा जगाने के लिए प्रेरित किया। प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एसआर कराडे ने संक्षारण और इसका नियंत्रण विषय पर व्याख्यान देते हुए संक्षारण अर्थात जंग एक प्राकृतिक प्रक्रिया है।

इससे सामग्रियों का क्रमिक विनाश होता है। डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने लघु चलचित्रों से बच्चों को जीवन के मूल के बारे में समझाते हुए कहा कि जीवन में हर पल हमें चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हमें उन चुनौतियों को अपनी सकारात्मकता से उपलब्धियों में बदलना सीखना होगा।

कार्यक्रम में अनीता बिष्ट, शिवानी चौधरी, अनिल गौर, विजया, एच कमार, डॉ. एके मिनोचा, डॉ. सुवीर सिंह, डॉ. आभा मित्तल, संयातनी लाला, डॉ. किशोर कुलकर्णी, इंदरजीत त्यागी, बी श्रीनिवास, पलक गोयल आदि मौजूद रहे।

Dainik Jagran

Date: 04 May 2018

E-link: http://epaper.jagran.com/epaperimages/04052018/dehradun/03hrp-pg2-0.pdf

लक्ष्य की ओर करें ध्यान केंद्रित

रुड़की: केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की में गुरुवार को जिज्ञासा विद्यार्थी–वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें केंद्रीय विद्यालय एक एवं दो के कक्षा बारहवीं के लगभग एक सौ विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. एन. गोपालकृष्णन ने विद्यार्थियों को शांत मन से अपने लक्ष्य की ओर ध्यान केंद्रित करने और जीवन में क्या, क्यों और कैसे जानने की जिज्ञासा जगाने के लिए प्रेरित किया। स्वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने कहा कि जीवन में हमें हर पल चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में हमें उन चुनौतियों को सकारात्मकता से उपलब्धियों में बदलना सीखना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को विज्ञान के डर को दूर कर वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाने पर जोर दिया। वहीं, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एसआर कराडे ने संक्षारण और इसके नियंत्रण विषय पर व्याख्यान दिया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया। साथ ही वैज्ञानिकों से प्रश्नों और वार्तालाप के जरिए संस्थान की नवीनतम तकनीकों के बारे में जानकारी हासिल की। (जासं)

Badri Vishal

Date: 04 May 2018

सीबीआरआई में विद्यार्थियों ने जाना विज्ञान का चमत्कार

रुड़की बद्री विशाल। भवन निर्माण के क्षेत्र में हो रहे नित नवीन अनुसंधानों और तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का सृजन करने और विज्ञान प्रसारण एवं नवीनतम वैज्ञानिक ज्ञान प्राप्त करने हेतु प्रेस और प्रकाशनों का महत्त्व समझाने के उद्देश्य से सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान, रुड़की में 'जिज्ञासा विद्यार्थी-वैज्ञानिक संयोजन कार्यक्रम' के अंतर्गत, केंद्रीय विद्यालय न. 1 एवं केंद्रीय विद्यालय न. 2 के कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. एन. गोपालकृष्णन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता तथा डॉ. अतुल कुमार अगवाल ने कार्यक्रम का संचालन किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए डॉ. एन. गोपालकृष्णन ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें शांत मन से अपने लक्ष्य की ओर ध्यान केंद्रित करने तथा जीवन में क्या, क्यों और कैसे जानने की जिज्ञासा जगाने के लिए प्रेरित किया। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एस. आर. कराडे ने 'संक्षारण और इसका नियंत्रण' विषय पर एक व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया की संक्षारण अर्थात जंग एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिससे सामग्रियों का क्रमिक विनाश होता है। आमतौर पर धातुओं के पर्यावरण के साथ रासायनिक प्रतिक्रिया द्वारा संक्षारण का आरम्भ होता है। डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने लघु चलचित्रों द्वारा विद्यार्थियों को जीवन के मूल के बारे में समझाते हुए कहा कि जीवन में हर पल हमें चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, हमें उन चुनौतियों को अपनी सकारात्मकता से उपलब्धियों में बदलना सीखना होगा। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी पर पढ़ाई की गुणवत्ता से अधिक अंकों पर जोर के कारण उन्हें तथ्यों के ज्ञान के स्थान पर रटना सिखाया जाने लगा है। विद्यार्थियों ने सीएसआईआर- सीबीआरआई, रुड़की की समृद्ध प्रयोगशालाओं जैसे रूरल पार्क, अग्नि अनुसंधान, पर्यावरण विज्ञान और तकनीक आदि का दौरा किया और वहाँ वैज्ञानिकों से प्रश्नों और वार्तालाप द्वारा संस्थान की नवीनतम तकनीकियों के बारे में जानकारी प्राप्त की और अपने संशयों को दूर किया। इस अवसर पर डॉ. ए.के. मिनोचा, डॉ. सुवीर सिंह, डॉ. आभा मित्तल, संयातनी लाल, डॉ. किशोर कुलकर्णी, इंदरजीत त्यागी, बी. श्रीनिवास, तिलक गोयल आदि मौजूद रहे।